पाँच तत्व और तीन गुण नाही काल जाल से न्यारा

पाँच तत्व और तीन गुण नाही,
पांच तत्व ओर तीन गुण नाही,
काल जाल से न्यारा ए हा,
सात दीप नवखंड भी नाही,
सात दीप नवखंड भी नाही,
माया का नही सहारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा,
धरन गगन पवन नही पानी,
धरन गगन पवन नही पानी,
नाही सूरज तारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा।bd।

वाणी ठानी मुझ मे नाही,
वाणी ठानी मुझ मे नाही,
नाही गुरू अवतारा ए हा,
खुद ही अनादी नाद मे नाही,
खुद ही अनादी नाद मे नाही,
नाद मूल से न्यारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा,
धरन गगन पवन नही पानी,
धरन गगन पवन नही पानी,
नाही सूरज तारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा।bd।

अरे त्रिवेणी ताप लगे नही मुझको,
त्रिवेणी ताप लगे नही मुझको,
जन्म मरण नहीं सारा ए हा,
जब तक दुनिया पद मे नाही,
जब तक दुनिया पद मे नाही,
चर अचर से न्यारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा,
धरन गगन पवन नही पानी,
धरन गगन पवन नही पानी,
नाही सूरज तारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भास अभास मन की कल्पना,
गुरू चेतन पूज्य न्यारा ए हा,
धन्ना नाथ पारख निज सोही,
धन्ना नाथ पारख निज सोही,
दुखीया अधीक अपारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा,
धरन गगन पवन नही पानी,
धरन गगन पवन नही पानी,
नाही सूरज तारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा।bd।

पाँच तत्व और तीन गुण नाही,
पांच तत्व ओर तीन गुण नाही,
काल जाल से न्यारा ए हा,
सात दीप नवखंड भी नाही,
सात दीप नवखंड भी नाही,
माया का नही सहारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा,
धरन गगन पवन नही पानी,
धरन गगन पवन नही पानी,
नाही सूरज तारा रे संतो,
हम निर्भय निरधारा ए हा।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com